16/05/22 पत्रावली पेश हुई। वकलाय उप०।
मूल वाद में विभाजन की फाइनल डिक्री जारी हो चुकी है। जिससे अब T.I. प्रा० पत्र का कोई औचित्य नहीं रहा है। पत्रावली निर्णीत शुमार होकर दाखिल दफ्तर होकर नम्बर से कम हो।

SDO

Scanned with CamScanner